राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 05 | जौनपुर सोमवार, 18 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी रसोई गैस, घर-घर पहुंचाया जाएगा : सीएम योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। यूपी में प्रचुर जल संसाधन होने के चलते इसके विकास की व्यापक संभावना है। अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी है लेकिन आने वाले समय में यह मोबाइल फोन कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी। सीएम योगी रविवार को दोपहर बाद खजनी रोड पर खानीपुर गांव में टोरेंट कंपनी की तरफ से बनाए गए प्रदेश के पहले और देश के दूसरे हाइड्रोजन पॉवर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम छह हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। रिन्यूवल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है। हाइड्रोजन प्लांट इस कमी को दूर करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। इसमें यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा। टोरेंट ग्रुप के इस प्लांट में ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी–पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर–घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जाएगा। इस प्लांट की क्षमता 22,000 मेगावाट है, जो क्षेत्र में हरित ऊर्जा की आपूर्ति

को बढ़ावा देगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ जनता के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करेगा। संबोधन में सीएम ने कहा कि भविष्य में यह मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी, जिससे हर घर तक इसकी पहुंच आसान होगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, यह पावर प्लांट ग्रीन ऊर्जा का प्रतीक बनेगा। हमारा लक्ष्य 22,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना है, जिसमें से 6,000 मेगावाट की क्षमता हम हासिल कर चुके हैं। शेष लक्ष्य को जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्लांट न केवल ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा, बल्कि सीएनजी और पीएनजी का उत्सर्जन भी करेगा, जिसे रसोई गैस के रूप में घर–घर पहुंचाया जाएगा। इससे क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन पर्यावरण संरक्षण और बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वर्तमान में यह गैस थोड़ी महंगी है, लेकिन भविष्य में यह मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी, जिससे हर घर तक इसकी पहुंच आसान होगी।

## शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन पर चर्चा में शामिल हों : रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों से लोकसभा में शुभांशु शुक्ला को लेकर होने वाली चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया है। बता दें कि आज अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की सफल यात्रा से वापस आए हैं। रिजिजू ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे नायक अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल मिशन के बाद स्वदेश लौट आए हैं। संसद उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि और विकसित भारत की दिशा में भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं पर एक विशेष चर्चा के साथ उनका सम्मान करेगी। रिजिजू ने सदस्यों से उसी भावना से चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया, जैसा उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान किया था। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सभी सदस्य वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उसी तरह जश्न मनाएंगे, जैसे उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना की थी। सरकार ने शुक्ला के अंतरिक्ष प्रवास के उपलक्ष्य में लोकसभा में अंतरिक्ष यात्री– 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिकाश विषय पर एक विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा है।

### संक्षिप्त खबरें

## सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को जमानत दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और एनके सिंह की पीठ ने चटर्जी की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। चटर्जी ने 2022 मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच को चुनौती दी थी। उनके साथ पूर्व कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य और अधिकारी शांतिप्रसाद सिन्हा को भी जमानत मिली है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी रिहा नहीं किया जाएगा क्योंकि अभी प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े सीबीआई के एक अन्य मामले की सुनवाई लंबित है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 13 दिसंबर, 2024 को चटर्जी को जमानत दी थी, लेकिन तब भी सीबीआई के मामले के कारण उन्हें जेल से बाहर नहीं निकाला गया था। चटर्जी अभी कोलकाता जेल में हैं। चटर्जी को 23 जुलाई 2022 को ईडी ने एसएससीभर्ती घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में उनके कोलकाता आवास से गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में उनको अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया। चटर्जी पर ईडी के 3 और सीबीआई के 5 मामले दर्ज हैं।

## ट्रेनिंग के दौरान विकलांग होने वाले कैंडेटस की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने जतायी चिंता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने उन कैडेटों की मुश्किलों पर स्वतरू संज्ञान लिया है जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान चोट या विकलांगता की वजह से बीच में ही चिकित्सा आधार पर छुट्टी दे दी गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और रक्षा बलों से जवाब मांगते हुए कहा है कि ऐसे कैडेटों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बीमा कवर की व्यवस्था पर विचार किया जाए. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मामले में सुनवाई की. न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर के लिए निर्धारित की है. पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विकलांग होने वाले कैडेटों को चिकित्सा व्यय के लिए दी जाने वाली 40 हजार रुपये की अनुग्रह राशि बढ़ाने के संबंध में निर्देश मांगें.। शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा कि वह इन दिव्यांग उम्मीदवारों के उपचार के बाद उन्हें डेस्क जॉब या रक्षा सेवाओं से संबंधित किसी अन्य कार्य में वापस लाने के लिए पुनर्वास की योजना पर विचार करे. पीठ ने कहा, हम चाहते हैं कि बहादुर कैडेट सेना में रहें. हम नहीं चाहते कि चोट या विकलांगता इन कैडेटों के लिए किसी भी प्रकार की बाधा बने, जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं.।

## एससी और एसटी टीचरों को नौकरी और प्रमोशन देने से इनकार किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एससी–एसटी कल्याण मामलों की संसदीय समिति ने एक बहुत बड़ी बात कही है। समिति ने कहा है कि एससी और एसटी टीचरों को नौकरी और प्रमोशन देने से इनकार करने के लिए उपयुक्त नहीं मिला टैग का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। समिति ने विश्वविद्यालयों में संकाय सदस्यों की भर्ती में विवादास्पद प्रथा की व्यापकता को स्वीकार करते हुए श्बेहतर निर्णयश्का आग्रह किया है। एससी–एसटी कल्याण से जुड़ी संसदीय समिति ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में नियुक्तियों की समीक्षा के दौरान यह टिप्पणी की है। इस समिति की अध्यक्षता बीजेपी सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते कर रहे हैं। समिति की ओर से कहा गया है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के एससी–एसटी वेलफेयर एसोसिएशन के साथ बातचीत के दौरान यह मामला सामने आया कि इन वर्गों के लिए निर्धारित पद उपयुक्त नहीं मिला के रूप में चिह्नित हैं। यह

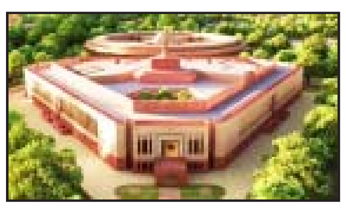

रिपोर्ट संसद के चालू मॉनसून सत्र में पेश की गई है। इस समिति ने पात्र एससी–एसटी टीचरों को नियुक्तियों और प्रमोशन में मौका देने से इनकार करने के लिए 'एनएफएस' शब्द के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एससी–एसटी उम्मीदवारों को एनएफएस घोषित करना न सिर्फ अनुचित है, बल्कि इससे एससीध्एसटी वर्ग के योग्य,पात्र और सुयोग्य उम्मीदवारों की भावनाएं आहत होती हैं। इस तरह के आरोप पहले से ही लगते रहे हैं कि कुछ शिक्षण संस्थान दलितों और आदिवासियों को नौकरी देने में गड़बड़ी कर रहे हैं। दलील ये दी जाती रही है कि योग्य होने पर भी कई लोगों को फैकल्टी पद के लिए उपयुक्त नहीं बताकर छांट दिया जाता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी हाल में बीजेपी सरकार पर इस तरह का आरोप लगाया है।

## सरकारी स्कूलों की बदहाली के खिलाफ राज्यसभा सांसद संजय सिंह पहुचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों को बचाने की लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंच चुकी है और इस जंग के नायक बने हैं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह। संजय सिंह ने न केवल प्रदेश के बच्चों की आवाज उठाई, बल्कि हजारों स्कूलों को मर्ज किए जाने के खिलाफ खुद कोर्ट में याचिका दायर कर दी। उनका कहना है कि यूपी के मासूम बच्चों का भविष्य किसी राजनीतिक प्रयोग का हिस्सा नहीं बन सकता, और शिक्षा के अधिकार से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने संजय सिंह याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मनीष की पीठ ने आप नेता को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने की इजाजत दे दी। आज 18 अगस्त को उनकी याचिका पर देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हो रही है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट की माननीय जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह की पीठ के समक्ष रखा गया है। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल अदालत में अभिभावकों और बच्चों की पीड़ा को रखेंगे। संजय सिंह का यह कदम उन लाखों परिवारों की उम्मीद बना है, जिनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और जिनका भविष्य सरकार के इस फैसले से प्रभावित हो सकता है। यूपी सरकार ने करीब 5,000 से अधिक स्कूलों को मर्जर के नाम पर बंद करने की

प्रक्रिया शुरू की है। इससे 27,000 परिषदीय विद्यालय प्रभावित होंगे और 1,35,000 सहायक शिक्षक तथा 27,000 प्रधानाध्यापक के पद खत्म हो जाएंगे। शिक्षामित्रों और रसोइयों की सेवाएं भी खतरे में आ जाएंगी। यह स्थिति केवल शिक्षा तंत्र ही नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका को भी प्रभावित करेगी। बीते 10 वर्षों में सरकारी स्कूलों की संख्या में देशभर में 8ः की कमी आई है, जबकि निजी स्कूलों की संख्या लगभग 15ः बढ़ी है। अकेले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। यह तस्वीर साफ दिखाती है ।

## राजा भैया ने 28 साल बाद खोला सियासी राज : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती

से राजनीतिक अदावत किसी से छुपी नहीं है। इसके पीछे का एक मुख्य कारण करीब 28 साल पहले बहुजन समाज पार्टी के टूटने को माना जाता है। दावा किया जा रहा है कि राजा भैया ने मौजूदा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के कहने पर बहुजन समाज पार्टी को तोड़ दिया था। 1996 में बसपा और बीजेपी गठबंधन की सरकार बनी थी, लेकिन उसके कुछ महीने बाद ही यानी 1997 में सरकार गिर गई थी। दोबारा चुनाव ना हो, इसको लेकर बसपा को तोड़ने का दायित्व कुंडा से निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया को दिया गया था। और यह जिम्मेदारी देने वाले राजनाथ सिंह थे। खुद राजा भैया ने एक निजी चौनल के पॉडकास्ट में उस घटना की पूरी जानकारी दी है। प्रतापगढ़ जिले की कुंडा सीट से लगातार 7 बार विधायक और 5 बार कैबिनेट मंत्री रह चुके रघुराज प्रताप सिंह कई मुख्यमंत्रियों के साथ काम कर चुके हैं। लेकिन यूपी की एक मुख्यमंत्री ऐसी भी रही है जिनसे राजा भैया का 36 का आंकड़ा रहा है। राजा भैया को उनके कार्यकाल में जेल भी जाना पड़ा था। इतना ही नहीं उन्हें घर से गिरफ्तार कर लिया गया था। बसपा सुप्रीमो मायावती और राजा भैया की दुश्मनी किसी भी छुपी नहीं है। इसकी अनगिनत स्टोरियां सोशल मीडिया पर देखने और सुनने को मिल जाती है। लेकिन इसके पीछे की क्या मुख्य वजह रही है ये खुद राजा भैया ने बताई है। उनकी ही जुबानी में जानिए, की राजा भैया ने किसके कहने पर बसपा को तोड़ दिया था। कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने बताया कि 1993 के बाद 1996 में भी किसी दल को बहुमत नहीं मिला था। जिसके कारण 6 महीने तक किसी की सरकार नहीं बनी थी। 6 महीने बाद बसपा और बीजेपी में 6–6 महीने के लिए मुख्यमंत्री बनने की बात पर गठबंधन हो गया था। जिसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती पहले 6 महीने के टर्म के लिए मुख्यमंत्री बन गई थी। उनका 6 महीने का कार्यकाल पूरा होने के बाद बीजेपी ने कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाने की बात कही। तो मायावती ने आपत्ति जता दी। लेकिन फिर भी बीजेपी ने कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बना दिया। लेकिन उसके कुछ महीने बाद ही अलगाव हो गया था। राजा भैया ने बताया कि कोई भी दल फिर से चुनाव के मैदान में जाना नहीं चाह रहा था।

## मोदी ने राज्यों से प्रस्तावित जीएसटी सुधारों में सहयोग का आग्रह किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र ने नए जीएसटी सुधारों का मसौदा सभी राज्यों के साथ साझा किया है और दिवाली से पहले इसे लागू करने के लिए उनका सहयोग मांगा है। दो एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इन सुधारों से गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे व बड़े, दोनों तरह के व्यवसायों को मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि योजना जीएसटी कानूनों को सरल बनाने और कर दरों में संशोधन करने की है। उन्होंने सबसे पहले 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण के दौरान इस कदम की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्हमारे लिए, सुधार का मतलब बेहतर शासन है। हम लोगों और व्यवसायों के लिए जीवन आसान बनाना चाहते हैं।ष उन्होंने आगे कहा कि सरकार आने वाले महीनों में और बड़े सुधारों की तैयारी कर रही है। इसे ष्अगली पीढ़ी का सुधारष बताते हुए, मोदी ने कहा, ष्इस दिवाली लोगों को जीएसटी सुधार से दोहरा लाभ मिलेगा।ष केंद्र ने राज्यों को मसौदा प्रस्ताव पहले ही भेज दिया है। मोदी ने उनसे जल्दी से काम करने का आग्रह किया ताकि दिवाली तक नई प्रणाली तैयार हो सके।

## राधाकृष्णन को निर्विरोध जिताने के लिए राजनाथ सिंह ने खड़गे से बात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन मांगा। रिपोर्ट के अनुसार 9 सितंबर को होने वाला उपराष्ट्रपति चुनाव एनडीए की ओर से राजनाथ सिंह की देखरेख में होगा. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को चुनाव एजेंट बनाया गया है. एनडीए ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में पार्टी संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद यह घोषणा की. भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि पार्टी सर्वसम्मति और संभवतरू निर्विरोध चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विपक्ष से संपर्क करेगी. ।नड्डा ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, श्हम विपक्ष से भी बात करेंगे. हमें उनका समर्थन भी प्राप्त करना चाहिए ताकि हम मिलकर उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध चुनाव सुनिश्चित कर सकें.श उन्होंने कहा कि इस दिशा में पार्टी विपक्ष की सहमति जुटाने में लगी है. एनडीए का इसमें पूर्ण समर्थन है. सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए हमारे एनडीए के उम्मीदवार हैं। राधाकृष्णन फिलहाल महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं. वरिष्ठ भाजपा नेता राधाकृष्णन कोयंबटूर से दो बार लोकसभा के लिए चुने गए और इससे पहले तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे. उनका राजनीतिक जीवन आरएसएस और जनसंघ जैसे संगठनों से जुड़ने और छात्र राजनीति से जुड़ने से शुरू हुआ. तब से उन्होंने राजनीति को जनता की सेवा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया है. उन्होंने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सुधार और जन

कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता दिखाई है और ऐसे आंदोलनों का नेतृत्व किया है जो महत्वपूर्ण सामाजिक और विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करते हैं.। उनका राजनीतिक जीवन छात्र राजनीति से शुरू हुआ था. तब से उन्होंने राजनीति को जनता की सेवा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया है और चार दशकों से भी अधिक समय तक एक कार्यकर्ता के रूप में जनता की सेवा की है. उन्होंने 1998 में कोयंबटूर से अपना पहला चुनाव 150000 से अधिक मतों के अंतर से जीता था. बाद में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल बने. उन्होंने 1974 में 16 साल की उम्र में जनसंघ के माध्यम से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की. 1996 में वे तमिलनाडु भाजपा के सचिव बने. 1998 में वे कोयंबटूर संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए, जहां उन्होंने 150000 से अधिक मतों से जीत हासिल की और 1999 में उसी निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुने गए. साल 2006 में उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया. इस दौरान उन्होंने सामाजिक और विकासात्मक मुद्दों को सक्रिय रूप से उठाया. 2016 से 2020 तक उन्होंने कॉयर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया. उनके नेतृत्व में भारत का कॉयर निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया। उन्हें प्रतिष्ठित, ज्ञानी और किसी भी कानूनी आरोपों से बेदाग माना जाता है. उनका जन्म 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुपुर जिले के तिरुपुर में हुआ था. वह पेशे से एक कृषक और उद्योगपति हैं. उन्होंने तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित वी.ओ.सी. कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई पूरी की. जनता की सेवा के अपने चार दशकों से भी अधिक के अनुभव में उन्होंने अनेक पदों पर कार्य किया है. विविध भूमिकाओं में सिद्ध नेतृत्व के साथ सी.पी. राधाकृष्णन समृद्ध राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव रखते हैं. चुनाव आयोग ने घोषणा की है ।

# संपादकीय

## चुनौतियां और संकल्प

पंद्रह अगस्त पर लाल किले से प्रधानमंत्री का राष्ट्र के लिये संबोधान महज एक औपचारिकता नहीं होता, बल्कि समकालीन राष्ट्रीय चुनौतियों व अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर सरकार की रीति–नीति का परिचय होता है। आने वाले समय की योजनाओं का खाका और राष्ट्रीय संकल्पों की बानगी होता है। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन निस्संदेह, इन्हीं रीति–नीतियों का विस्तार था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए टैरिफ के बीच स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर बल दिया। साथ ही यह भी दोहराया कि विश्व में पहुंच बनाने के लिये हमारी प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की होनी चाहिए। उन्होंने रक्षा उत्पाद निर्माण को वरीयता देने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि साल के अंत तक पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप आ जाएगी। निश्चय ही यह कामयाबी हमारी तकनीकी व सुरक्षा जरूरतों के लिये महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने क्रिटिकल मिनरल्स के उत्पादन पर भी जोर दिया, जो रक्षा उत्पादों में बड़ी भूमिका निभाते हैं। पं. नेहरू के बाद लगातार बारहवीं बार लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करने वाले मोदी का यह संबोधन अब तक का सबसे लंबा अवधि वाला था। लेकिन समकालीन चुनौतियों के मद्देनजर यह तार्किक था। उन्होंने उर्वरकों, परमाणु ऊर्जा, जीएसटी, अर्थव्यवस्था के लिये रिफोर्म टास्क फोर्स के गठन, अंतरिक्ष अभियान जैसे तमाम मुद्दों को संबोधित किया। निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता के प्रयासों से जहां हम अपने आर्थिक लक्ष्य पा सकते हैं, वहीं हम अपनी संप्रभुता की रक्षा भी कर सकने में सक्षम हो सकेंगे। निश्चित रूप से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के परिदृश्य के बीच भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने के लिये उत्पादन क्षेत्र में आशातीत वृद्धि करनी होगी। तभी हम चीन के साथ लगातार बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर कर पाने में किसी हद तक सफल हो सकते हैं। फिर हम वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के लिये चुनौती बनती घुसपैठ की समस्या को भी संबोधित किया और उच्च शक्ति वाला डेमोग्राफी मिशन चलाने की बात कही। दरअसल, आज घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव की स्थिति तक पहुंच गई है। देश में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ डेढ़ करोड़ बतायी जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का जिक्र करके देश को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। आने वाले दशक में उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के मुकाबले को उन्होंने 'सुदर्शन चक्र' नामक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच तैयार करने की बात कही। जिसमें रक्षा उत्पादों का आधुनिकीकरण भी शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि बाह्य दबाव अस्वीकार करके किसानों, पशुपालकों व मछुआरों के हितों की रक्षा की जाएगी। उनका मानना था कि हम इतने मजबूत बनें कि चुनौतियां हमारी सफलता का मार्ग तय करें। कुल मिलाकर उन्होंने देश के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को संबोधित करते हुए समाधान की राह का विस्तार से जिक्र किया। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश के आंतरिक मोर्चे पर उन्होंने किसानों के संरक्षण व प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के मुद्दे पर जो कहा, उसे यथाशीघ्र हकीकत बनाया जाएगा।

## पर्यावरण भी प्राथमिकता हो डिजिटल युग में

वेद

अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है। ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए। यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता हैकृवे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है। शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी। अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है। बीते वर्षों में अनेक राजनीतिक दलों ने शिक्षा क्रांति के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए हैं। यह कहा जाता है कि शिक्षा केवल निजी पब्लिक स्कूलों की बंधक नहीं होनी चाहिए। नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता–पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाजी न रहे। लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं, जिसकी कल्पना करके हमने निजी स्कूलों के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश की थी। सवाल यह है कि इतने प्रयासों के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशक क्यों प्रवेश कर रहे हैं? क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, एक लाभकारी व्यवसाय बन गई है? अब तो स्कूलों के बीच नए स्कूल खोलने की परंपरा–सी बन गई है। पहले जहां खेल मैदान हुआ करते थे, वहां अब नर्सरी और प्री–नर्सरी की कक्षाएं बन रही हैं। कहा जाता है कि निजी पब्लिक स्कूल एक लाभकारी सौदा बन चुके हैं। हर वर्ष इन स्कूलों की फीस और अन्य शुल्क बढ़ते जाते हैं। अब प्राइमरी कक्षाओं के साथ–साथ नर्सरी और प्री–नर्सरी भी 'खुलने' लगी हैंकृजिनका मकसद शिक्षा कम, व्यापार अधिक लगता है। संभावना है कि भविष्य में पुरानी शिक्षा प्रणाली अप्रासंगिक हो जाएगी और एक नई 'डिजिटल शिक्षा' उभरेगीकृजो डेटा, एल्गोरिद्म और इंटरनेट के इर्द–गिर्द घूमेगी। ऐसे में स्कूलों में हरियाली, खेल मैदान और खुलापन खत्म न हो जाए, यह चिंता का विषय है। अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं पर्यावरण बलि का बकरा न बन जाए। कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह मानना कि केवल कुछ दिशा–निर्देशों का पालन कर लेने से पर्यावरण सुरक्षा हो जाएगी, पर्याप्त नहीं है। योजनाएं जब विस्तार लेती हैं तो व्यावसायिक हित हावी हो जाते हैं, और विशेषज्ञों की राय की अनदेखी शुरू हो जाती है। पीठ ने माना कि स्कूल, छात्रावास व अन्य शैक्षणिक संस्थान पर्यावरणीय कानूनों के अधीन रहें और उन्हें पूर्व मंजूरी की अनिवार्यता से मुक्त न किया जाए। अधिसूचना में जो छूट दी गई थी, वह दोहरी मंजूरी प्रणाली में से पर्यावरणीय मंजूरी को हटा देती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह संशोधन संरक्षित क्षेत्रों और प्रदूषित इलाकों में पर्यावरण मूल्यांकन की प्रक्रिया को कमजोर करता है। इस छूट के पीछे कोई मजबूत तर्क नहीं है, केवल यह संभावना है कि यह निजी शिक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक निवेश को बढ़ावा देने का एक औजार बन जाए। कोर्ट का संदेश साफ हैकृ शिक्षा महत्वपूर्ण है,।

## जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

गोपाल

परमाणु हथियार अब साइबर व उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। एक परमाणु–साइबर–स्पेस में यदि किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग व निर्णय–प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को कहीं अधिक बढ़ा देगा। बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम – लिटिल बॉय और फैट मैन – की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी। जैसे–जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें– वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया –वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा। चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार–मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति–मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार–मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें। बाद में, सदी के अंत में, मैं 'ग्लोबल जीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार–मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व–निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व–निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि–आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे।

अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक–दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व–निवारण परमाणु पहल, द्वि–आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है।

# .......... विविध ..........

## सब्जियां खाने से दिमाग में घुस सकते कीड़े, खाने से पहले सावधानी जरूर बरतें

हरी सब्जियां सेहत के लिए वरदान मानी जाती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि बारिश के मौसम में यही सब्जियां आपके लिए खतरा बन सकती हैं? कुछ पत्तेदार सब्जियों में छिपे छोटे–छोटे कीड़े और पैरासाइट्स आपके शरीर के जरिए सीधे दिमाग तक पहुंच सकते हैं। जानिए कौन–सी सब्जियों से सावधान रहना है और कैसे करें इनसे बचाव।

1. पालक

पालक एक बेहद पौष्टिक हरी सब्जी है, जिसमें आयरन, विटामिन्स और एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। लेकिन बारिश के मौसम में पालक की पत्तियों पर कीड़े और मिट्टी के साथ कुछ खतरनाक पैरासाइट्स भी चिपक सकते हैं, जिनमें सबसे खतरनाक है टॉक्सोप्लाजमा गोंडी टॉक्सोप्लाजमा गोंडी एक सूक्ष्म परजीवी (पैरासाइट) है, जो मिट्टी, पानी और कच्चे भोजन के जरिए आपके शरीर में प्रवेश कर सकता है। यह पैरासाइट मुख्य रूप से पालक जैसी हरी सब्जियों पर चिपका रहता है, खासकर जब वे पूरी तरह से साफ न की जाएं। अगर ये पैरासाइट शरीर में चले जाते हैं, तो वे आंतों से होते हुए रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं और दिमाग सहित अन्य अंगों तक पहुंच सकते हैं। इससे दिमागी संक्रमण, याददाश्त में कमजोरी, सिरदर्द, मानसिक भ्रम, थकावट और कभी–कभी गंभीर न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क से जुड़ी) बीमारियां हो सकती हैं।

2. पत्तागोभी

पत्तागोभी एक लोकप्रिय हरी सब्जी है, जिसे अक्सर सब्जी, सूप या सलाद में इस्तेमाल किया जाता है। इसकी परतें कई तहों में होती हैं, और बारिश के मौसम में इन परतों के बीच नमी जमा हो जाती है। इस नमी के कारण पत्तागोभी की परतों के बीच बैक्टीरिया, कीड़े और अन्य सूक्ष्म जीव छिप सकते हैं। बारिश के दौरान ये बैक्टीरिया और कीटाणु तेजी से पनपते हैं क्योंकि नमी और ठंडक इनके लिए अनुकूल माहौल प्रदान करती है। जब ऐसी पत्तागोभी बिना अच्छे से धोए या पकाए खाई जाती है, तो ये बैक्टीरिया और कीड़े आपके पेट में जाकर संक्रमण फैला सकते हैं। इसका परिणाम फूड प्वाइजनिंग (खाना खराब होने से होने वाली बीमारी), पेट दर्द, उल्टी, दस्त, और कभी–कभी गंभीर संक्रमण के रूप में हो सकता है। इसलिए पत्तागोभी की परतों को सावधानी से खोलकर, बहते साफ पानी से कई बार धोना चाहिए ताकि अंदर छिपे हुए कीड़े और बैक्टीरिया हट जाएं। इसके अलावा, पत्तागोभी को पकाकर खाना भी जरूरी होता है ताकि किसी भी तरह के हानिकारक जीव मर जाएं।

3. मेथी

मेथी एक औषधीय गुणों से भरपूर हरी सब्जी है, जिसका इस्तेमाल अक्सर सलाद, परांठे, सब्जी और दाल में किया जाता है। बारिश के मौसम में मेथी की पत्तियों पर मिट्टी के कण और छोटे–छोटे कीड़े चिपकने का खतरा काफी बढ़ जाता है। बारिश के कारण मिट्टी गीली हो जाती है और कीड़े, बैक्टीरिया भी तेजी से बढ़ते हैं। अगर मेथी को अच्छी तरह से धोया या साफ नहीं किया जाता है, तो ये कीटाणु और मिट्टी के कण आपके पेट में जाकर संक्रमण फैला सकते हैं। इससे पेट दर्द, दस्त, उल्टी और कभी–कभी सिरदर्द, कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बारिश के मौसम में मेथी को बहते पानी से कई बार धोना बहुत जरूरी है। साथ ही, इसे सलाद के रूप में कच्चा खाने के बजाय पकाकर खाना बेहतर होता है, ताकि किसी भी तरह के हानिकारक जीव मारे जा सकें।

4. बथुआ

बथुआ एक पौष्टिक देसी हरी पत्तेदार सब्जी है, जो आमतौर पर सर्दियों के मौसम में मिलती है। लेकिन कुछ इलाकों में यह बारिश के दिनों में भी उपलब्ध होती है। बारिश के मौसम में बथुआ की पत्तियों पर नमी की वजह से बैक्टीरिया और अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीव चिपक सकते हैं। ये बैक्टीरिया अगर अच्छी तरह से धोया या पकाया न जाएं, तो ये आपके शरीर में प्रवेश करके पेट की समस्याएं पैदा कर सकते हैं। खास बात यह है कि कुछ खतरनाक बैक्टीरिया और पैरासाइट्स रक्त प्रवाह के माध्यम से दिमाग तक भी पहुंच सकते हैं, जिससे न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क संबंधी) समस्याएं जैसे सिरदर्द, मानसिक भ्रम और कमजोरी हो सकती हैं। इसलिए बारिश के मौसम में बथुआ को अच्छी तरह से धोना और पकाकर ही खाना चाहिए ताकि इन हानिकारक जीवाणुओं से बचा जा सके।

5. सलाद की पत्तियां

सलाद की पत्तियां खाने में ताजी और स्वादिष्ट होती हैं, इसलिए इन्हें अक्सर कच्चा ही खाया जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में इन पत्तियों पर नमी और गंदगी की वजह से बैक्टीरिया और पैरासाइट्स यानी छोटे परजीवी तेजी से पनपते हैं। ये हानिकारक जीव अगर सही तरीके से धोएं या पकाए न जाएं, तो वे आपके शरीर में जाकर संक्रमण फैला सकते हैं। खासकर ये संक्रमण आपके दिमाग तक पहुंचकर गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी पैदा कर सकते हैं, जैसे सिरदर्द, मानसिक कमजोरी और भ्रम। इसलिए बारिश के दिनों में सलाद की पत्तियों को कच्चा खाने से बचना चाहिए। यदि सलाद खाना ही हो, तो पत्तियों को अच्छी तरह से धोने के बाद उबालना या भाप में पकाना बेहतर रहता है, ताकि ये बैक्टीरिया और पैरासाइट्स मर जाएं।

6. धनिया और पुदीना

धनिया और पुदीना खाने के स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए बहुत इस्तेमाल की जाती हैं। लेकिन बारिश के मौसम में इनकी डंठल और पत्तियों पर नमी की वजह से मिट्टी, गंदगी और छोटे जीवाणु चिपक जाते हैं। बारिश में बढ़ी नमी से इन जगहों पर बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ जाते हैं, जो अगर सही तरीके से साफ न किए जाएं, तो आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ये सूक्ष्म जीव पेट में जाकर संक्रमण पैदा कर सकते हैं, जिससे डायरिया, पेट दर्द, और कभी–कभी सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बारिश के दिनों में धनिया और पुदीने को बहते साफ पानी से कई बार धोना जरूरी है। साथ ही इन्हें कुछ मिनटों के लिए नमक या सिरके वाले पानी में भिगोकर रखना भी लाभकारी होता है, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया और फंगस मर जाते हैं।

7. अरबी के पत्ते

अरबी के पत्ते स्वाद में लाजवाब और पौष्टिक होते हैं, लेकिन बारिश और नमी के मौसम में इसके पत्तों पर टेपवर्म के अंडे और अन्य कीटाणु चिपक सकते हैं। यदि अरबी के पत्तों को अच्छी तरह से धोए बिना या बिना पकाए खा लिया जाए, तो ये टेपवर्म के अंडे आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। यह संक्रमण सिस्टिसर्कोसिस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है, जिसमें टेपवर्म के लार्वा मस्तिष्क सहित शरीर के विभिन्न अंगों में सिस्ट (गांठें) बना सकते हैं। इससे सिरदर्द, दौरे, मानसिक भ्रम और अन्य न्यूरोलॉजिकल (दिमाग से जुड़ी) समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अरबी के पत्तों को हमेशा अच्छी तरह से धोएं और पूरी तरह पकाकर ही खाएं।

## गाय का दूध पीने से हो सकती है टाइप–1 डायबिटीज

गाय का दूध भारतीय घरों में रोजाना इस्तेमाल होता है और इसे सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। लेकिन कुछ रिसर्च में यह सवाल उठाया गया है कि क्या गाय के दूध का प्रोटीन छोटे बच्चों में टाइप–1 डायबिटीज का खतरा बढ़ा सकता है? आइए जानें एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं।

गाय का दूध और टाइप–1 डायबिटीज में क्या संबंध है?

टाइप–1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से अपनी ही इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला कर देता है। इसकी वजह से शरीर इंसुलिन बनाना बंद कर देता है। डॉक्टरों के मुताबिक, इसकी कई वजह हो सकती हैं जैसे परिवार में डायबिटीज का इतिहास, वायरस संक्रमण, कुछ खास पर्यावरणीय कारण और संभावना यह भी है कि कुछ बच्चों में गाय के दूध का प्रोटीन ट्रिगर का काम कर सकता है।

डॉक्टर्स की क्या राय है?

"कुछ शोध बताते हैं कि गाय के दूध का प्रोटीन कुछ बच्चों के इम्यून सिस्टम को इस तरह एक्टिव कर सकता है कि वह गलती से पैनक्रियास की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर अटैक कर दे। लेकिन इस बारे में अभी तक कोई पक्की या ठोस रिसर्च नहीं है।" यानी, ये एक संभावना है, लेकिन इसका कोई निश्चित सबूत अभी तक नहीं मिला है।

गाय के दूध में कौन से प्रोटीन होते हैं?

गाय के दूध में मुख्य रूप से दो तरह के प्रोटीन होते हैं

कैसीन

ये दोनों ही प्रोटीन सामान्यत सुरक्षित होते हैं। लेकिन जिन बच्चों का इम्यून सिस्टम ज्यादा संवेदनशील होता है या जिनमें खास जेनेटिक बदलाव होते हैं, उनमें ये प्रोटीन इम्यून रिएक्शन पैदा कर सकते हैं। यही इम्यून रिएक्शन टाइप–1 डायबिटीज की एक वजह बन सकता है।

छोटे बच्चों में क्यों ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है?

जो बच्चे बहुत छोटे होते हैं (जिनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ होता), अगर उन्हें जल्दी गाय का दूध या उससे बना फॉर्मूला मिल जाता है, तो उनमें यह रिस्क थोड़ा बढ़ सकता है। इसीलिए डॉक्टर पहले 6 महीने तक सिर्फ मां का दूध देने की सलाह देते हैं।

मां का दूध

बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ाता है। बीमारियों से लड़ने में मदद करता है और भविष्य की कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाता है।

बड़े बच्चों और बड़ों के लिए क्या यह चिंता की बात है?

बिलकुल नहीं। अगर कोई बच्चा बड़ा हो गया है या आप वयस्क हैं, तो संतुलित मात्रा में गाय का दूध पीने से टाइप–1 डायबिटीज का खतरा नहीं होता। लेकिन यदि किसी को दूध से एलर्जी है या लैक्टोज इन्टॉलरेंस है, तो जरूर सतर्क रहना चाहिए।

दूध कितनी मात्रा में पीना चाहिए?

सामान्य तौर पर, एक वयस्क के लिए रोजाना 1–2 गिलास दूध या उतनी ही मात्रा में दहीध्पनीर लेना सुरक्षित है।

बहुत अधिक दूध पीने से

वजन बढ़ सकता है

पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं

या डाइट में ज्यादा सैचुरेटेड फैट आ सकता है

ध्यान रखें – दूध से डायबिटीज नहीं होती, लेकिन किसी भी चीज की अति से नुकसान हो सकता है।

गाय का दूध पोषण से भरपूर है और ज़्यादातर लोगों के लिए फायदेमंद होता है। कुछ रिसर्च में संकेत मिला है कि गाय के दूध का प्रोटीन कुछ छोटे बच्चों में टाइप–1 डायबिटीज का जोखिम बढ़ा सकता है, लेकिन इस पर अभी और शोध की जरूरत है। इसलिए छोटे बच्चों को शुरुआती 6 महीने सिर्फ मां का दूध देना सबसे अच्छा है। बड़े बच्चों और वयस्कों के लिए संतुलित मात्रा में दूध पूरी तरह सुरक्षित है। याद रखेंरू कोई भी आहार हेल्दी तभी माना जाता है जब उसे संतुलन में लिया जाए।

# चोर बताकर पूर्व प्रधान के भाई की हत्या, गमछे से कसा गला

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर में सोमवार की सुबह चोर बताकर पूर्व प्रधान के भाई की हत्या कर दी गई। आरोप कॉलोनी में रहने वाले एक शिक्षक पर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना कोतवाली देहात क्षेत्र के सदर तहसील के सामने स्थित न्यू कालोनी की है। यहां के बेलवा सुल्तानजोत गांव के पूर्व प्रधान बब्बू के भाई डब्बू की हत्या की गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। बब्बू ने बताया कि भाई डब्बू सुबह घर से निकला था। कुछ देर बाद उसकी हत्या की खबर मिली। बब्बू ने आगे बताया कि न्यू कालोनी निवासी एक शिक्षक ने सुबह करीब 6.00 बजे डब्बू को पकड़ा। गमछे से उसका गला कस दिया और जमकर पीटा। स्थानीय लोगों की मानें तो डब्बू हाथ जोड़कर पुलिस के हवाले कर देने की विनती कर रहा था। लेकिन, उसकी एक न सुनी। कुछ देर में उसकी मौत हो गई। वहीं, आरोपी शिक्षक का कहना है कि डब्बू मोहल्ले में चोरी कर रहा था। वह पेयजल आपूर्ति की एक लोहे की पाइप चुरा कर भाग रहा था। इसी पर पकड़ा गया था। वहीं प्रभारी निरीक्षक बृजानंद सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर छानबीन की जा रही है।

# सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से अभ्यर्थियों में रोष, बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेरकर की नारेबाजी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को 69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अभ्यर्थियों को समझाने का प्रयास कर रही है। अभ्यर्थियों ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में अनियमितता हुई है। इस कारण आरक्षित वर्ग के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित रह गए। मामले की हाईकोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। फैसला उनके पक्ष में आया। लेकिन, सरकार की लापरवाही के कारण उसका पालन नहीं हो सका। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी पक्ष रखने से पीछे हट रही है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट में मजबूत पैरवी करने की मांग

हाईकोर्ट ने नियमों का पालन करते हुए तीन महीने के अंदर अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार हीला हवाली करती रही। मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। कोर्ट में 20 से अधिक तारीखें लगी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार लापरवाही कर रही है। इस कारण हम लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारी तरफ से मजबूत पैरवी करे। हम लोगों को जल्द न्याय दिलाए।

## संक्षिप्त खबरें

### पांच दिव्यांग युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। 15 अगस्त के अवसर पर यूपी कौशल विकास मिशन की ओर से 5 विद्यार्थियों को दिव्यांगजन रोजगार अभियान के तहत नियुक्ति पत्र दिया गया। मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि बीते दिनों डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय के परिसर में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। पांच सर्वश्रेष्ठ वेतन पाने वाले दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र दिया गया। इन्हें 18 हजार रुपये वेतन मिलेगा।

### वीर सेनानियों के सम्मान में 'शौर्य वाटिका' की स्थापना

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अवध वनप्रभाग के कुकरैल क्षेत्र में वीर सेनानियों की स्मृति में 'शौर्य वाटिका' की स्थापना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने सिंदूर का पौधा रोपण कर किया। शौर्य वाटिका में शहीदों की स्मृति में सिंदूर, मौलश्री व महोगिनी आदि के 125 पौधे रोपे गए। इस मौके पर वन मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी बी प्रभाकर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनु श्रवण एवं कार्ययोजना रामकुमार, अपर प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट टाइगर) रेणु सिंह, अदिति शर्मा, डीएफओ शिताशु पांडे आदि अधिकारी मौजूद रहे। वन महोत्सव के तहत 'एक पेड़ शहीद के नाम' अभियान भी चलाया गया।

### जेल कर्मियों को डीजी ने लगाया प्रशंसा चिन्ह

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार को आलमबाग स्थित कारागार मुख्यालय पर डीजी जेल पीसी मीणा ने तिरंगा फहराया। सराहनीय कार्य करने वाले जेल अफसरों व कर्मियों को प्रशंसा चिन्ह देकर सम्मानित किया।डीजी जेल ने लखनऊ परिक्षेत्र के जेल डीआईजी डॉ. रामधनी को प्रशंसा पत्र दिया। साथ ही वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह व जेल अधीक्षक मृत्युंजय कुमार पांडेय सहित अन्य जेल कर्मियों को प्रशंसा चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपर महानिरीक्षक जेल धर्मेंद्र सिंह, जेल डीआईजी सुभाष चंद्र शाक्य व प्रदीप गुप्ता मौजूद रहे। वहीं जिला जेल में वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल, आदर्श कारागार में अधीक्षक महाप्रकाश सिंह व नारी बंदी निकेतन में प्रभारी अधीक्षक ने तिरंगे को सलामी दी। जिला जेल पर तैनात डिप्टी जेलर डॉ. आरती पटेल, प्रधान सहायक राजकुमार पाल व बंदी रक्षक मारकंडेय सिंह, मॉडल जेल के प्रभारी जेलर डीपी सिंह, डिप्टी जेलर सायमा जलीस, प्रधान बंदी रक्षक संतोष तिवारी, प्रशांत पाठक, बंदीरक्षक सोनू शर्मा व वरिष्ठ सहायक राकेश कुमार को प्रशंसा चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

# विलय के बाद बंद हुए स्कूलों में शुरू हुईं बाल वाटिकाएं, होने वाली परीक्षाएं अचानक की गईं स्थगित

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में कम नामांकन वाले परिषदीय विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) के बाद खाली हुए भवनों में बेसिक शिक्षा विभाग ने बाल वाटिका की विधिवत शुरुआत स्वतंत्रता दिवस पर की। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के साथ मिलकर इनको चलाया जाएगा। खाली हुए स्कूलों में पास की आंगनबाड़ी को भी शिफ्ट किया गया है। राजधानी में अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार खुद मोहनलालगंज के एक स्कूल पहुंचे। उन्होंने यहां व्यवस्था देखी, आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही बच्चों से बात की, उनको चॉकलेट भी दी। वहीं महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने लखनऊ के बख्शी का तालाब में आदर्श बाल वाटिका विश्रामपुर का शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने यहां झंडारोहण भी किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छोटे और सीमित उपयोग वाले स्कूलों को बड़े व अधिक संसाधन वाले स्कूलों में समेकन पर बल देती है। इसी के दृष्टिगत पेयरिंग हुए विद्यालय में प्री प्राइमरी शिक्षाध बाल वाटिका का शुभारंभ किया गया। आईसीडीएस के सहयोग से नई बाल वाटिकाएं चलाई जा रही हैं तथा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अवसंरचनात्मक व अकादमिक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसी

क्रम में प्रदेश में अन्य स्कूलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, अधिकारियों ने 15 अगस्त को बाल वाटिका की शुरुआत की। अधिकारियों ने कहा कि अभी यह पहला चरण है। अन्य खाली हुए स्कूलों में भी जल्द ही सभी व्यवस्था कर इसकी शुरुआत की जाएगी। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में सोमवार से होने वाली प्रथम सत्रीय परीक्षा अचानक स्थगित कर दी गई है। अब परीक्षा 25 अगस्त से आयोजित की जाएंगी। माना जा रहा है हाल में हुई विलय की प्रक्रिया में संशोधन के कारण यह बदलाव किया गया है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025–26 में 18 से 23 अगस्त तक प्रथम सत्रीय परीक्षा कराये जाने के दिए गए थे।

# सबूत दें या फिर माफी मांगें राहुल गांधी, भाजपा सांसद जगदंबिका पाल बोले- भ्रम फैलाना बंद करें

लखनऊ, (संवाददाता)। चुनाव आयोग पर विपक्ष के लगातार हमलावर रहने पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने राहुल गांधी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार कह रहा है कि राहुल गांधी या विपक्षी नेता को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्षी नेता देश से झूठ बोल रहे हैं।

जिस तरह से वे मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें या तो सबूत देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए। सांसद ने आगे कहा कि चुनाव आयोग लगातार उनसे हलफनामा मांग रहा है। लेकिन, आप सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किसी पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। वे उस संवैधानिक संस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग की वजह से ही आज अखिलेश यादव सांसद बने हैं। उसी चुनाव आयोग की वजह से ही आज हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना में राहुल गांधी की सरकार है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर उनके पास ैप्ट के मुद्दे पर देश में फैलाए जा रहे भ्रम का कोई सबूत है, तो वे उसे या तो भारतीय संसद में अध्यक्ष के सामने पेश करें, या फिर उस चुनाव आयोग को दें, जिस पर वे आरोप लगा रहे हैं। वरना वे देश को शर्मिंदा न करें।

# जिला कारागार में आजम खां से मिलने पहुंचीं पत्नी और बेटा एक सपा नेत्री भी रहीं मौजूद

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में सोमवार को सपा नेता आजम खां से मिलने उनकी पत्नी तंजीन फातिमा जिला कारागार पहुचीं। उनके साथ अदीब आजम भी मौजूद रहे। इस मुलाकात के दौरान वह तीन टोकरी फल, कपड़े आदि भी साथ लेकर पहुंचीं थीं।

इस मौके पर उनके साथ रामपुर की एक महिला सपा नेता भी मौजूद रहीं। आजम खां से जिला कारागार में मिलने के लिए तीनों ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया था। करीब दोपहर 12 बजे तीनों सदस्य मिलने के लिए कारागार के अंदर पहुंचे।

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली लौटने वालों के लिए ट्रेनों में सीटों का संकट

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी के बाद रविवार को दिल्ली वापसी के लिए ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ रही। रेलवे प्रशासन ने स्पेशल ट्रेन भी चलाईं, लेकिन भीड़ के आगे सीटें कम पड़ गईं। लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, कैफियात एक्सप्रेस, गोरखधाम एक्सप्रेस सहित सभी ट्रेनों में वेटिंग की स्थिति बनी रही। दूसरी ओर तत्काल कोटे से भी यात्रियों को राहत नसीब नहीं हुई। शनिवार सुबह जब यात्रियों ने रविवार के लिए तत्काल कोटे में सीटों की बुकिंग कराई तो कोटा खुलने के कुछ मिनटों में ही वेटिंग शुरू हो गई। ट्रेनों में वेटिंग का आंकड़ा 200 पार पहुंच गया। इसे देखते हुए दो स्पेशल ट्रेनें चलाने के आदेश दिए गए। शनिवार को वाराणसी से लखनऊ होकर चंडीगढ़ के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई गई। वहीं, रविवार रात नौ बजे लखनऊ से नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना की गई। लेकिन इसमें भी स्लीपर और एसी क्लास में वेटिंग लिस्ट आ गई। दूसरी ओर शनिवार को तत्काल कोटे की आस में रहे यात्रियों को मायूसी हाथ लगी।

### स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मुजफ्फरनगर में दो भव्य कार्यक्रमों में किया भाग

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी विधानसभा मुजफ्फरनगर में दो भव्य कार्यक्रमों में भाग लेकर जनपदवासियों के साथ आजादी के जश्न में शामिल होकर देशभक्ति की भावना को नई ऊँचाई दी।सबसे पहले मंत्री कपिल देव अग्रवाल प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने परिसर में गरिमापूर्ण ध्वजारोहण किया, माँ भारती को वंदन अर्पित किया और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, दिवंगत पूर्व सैनिकों के परिजनों एवं जनपद की विभिन्न सेवा संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज की स्वतंत्रता असंख्य वीरों के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए जीवन में इस प्रेरणा को अपनाने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।इसके बाद मंत्री कपिल देव अग्रवाल मेरठ रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस महोत्सव में पहुँचे। यहाँ उन्होंने उत्साह और गर्व के साथ तिरंगा फहराया और पूरे जोश से राष्ट्रगान गाया। संस्थान परिसर तिरंगे रंगों की सजावट से देशभक्ति के माहौल में डूबा हुआ था और उपस्थित जनसमूह 'जय हिंद' व 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। मंत्री ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और संकल्प व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित भारत–2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए सभी मिलकर निरंतर प्रयास करेंगे।कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि देशभक्ति, एकता और विकास की ज्योति को हर हृदय में प्रज्वलित करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करें।

# स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के "हर घर तिरंगा महाअभियान" के तहत कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ और दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 अगस्त तक तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के कार्यालय में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षकों को विभिन्न कौशल, योजनाओं और संप्रेषण क्षमता के क्षेत्र में समग्र ज्ञान प्रदान करना था, ताकि वे अपने–अपने केंद्रों पर प्रशिक्षार्थियों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम में प्रशिक्षकों को वित्तीय साक्षरता, रोजगार योग्य कौशल, राजकीय कल्याणकारी योजनाओं, संप्रेषण कौशल, महिला नेतृत्व, योग, स्वयं सहायता समूहों का गठन, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, सिद्ध पोर्टल सहित अनेक विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक प्रमोद कुमार ने श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं जैसे श्रम योगी मानधन योजना, ई–श्रम कार्ड, राष्ट्रीय करियर सेवा योजना और उद्यम कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रों के 25 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार से भी जोड़ना है। कॉरपोरेट स्किल ट्रेनर एवं मोटिवेटर प्रभात कुमार सिंह ने संप्रेषण कौशल के महत्व पर प्रेरक संवाद प्रस्तुत किए, जबकि व्यापार प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. सुनित कुमार सोनकर ने वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं, उद्यमिता विकास और ऋण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।सहज योग के स्वयंसेवी व राजकीय सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. एस. सी. मित्तल, बृजेश कुमार श्रीवास्तव और भाषा विश्वविद्यालय की सह–आचार्य डॉ. आराधना अस्थाना ने योग प्रशिक्षण के माध्यम से स्वस्थ जीवन के लाभों पर प्रकाश डाला। पुणे की हकदर्शक कंपनी के राज्य प्रमुख वरुण सिंह ने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान हर घर तिरंगा महाअभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया, जबकि संयोजन सहायक कार्यक्रम अधिकारी नीतू यादव और संगणक संचालक कल्पना सिंह ने इसे सफल बनाया। इस प्रशिक्षण से प्रशिक्षकों को अपने प्रशिक्षार्थियों को बेहतर गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण देने और उन्हें रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

# गोरखपुर में प्राचीन मंदिरों के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 45 करोड़ रुपए की स्वीकृति

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार प्राचीन मंदिरों के आसपास पर्यटक सुविधाओं के विकास और सौंदर्यीकरण के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राचीन मंदिरों के विकास, सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के लिए 45 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य मंदिरों की भव्यता को पुनर्स्थापित कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि धार्मिक पर्यटन में उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है। प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे तीर्थ स्थल विशेष रूप से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हैं। वहीं, गोरखपुर भी ऐसे ही प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरा है, जहाँ मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों की वृहद श्रृंखला मौजूद है।गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर, श्री दिगंबर जैन मंदिर, जटाशंकर गुरुद्वारा, रामकृष्ण देव मंदिर, प्राचीन कालिका स्थान, चित्रगुप्त मंदिर, संत कबीर आश्रम और श्री रामजानकी मंदिर सहित अनेक प्राचीन धार्मिक स्थल हैं। जिले में भगवान शिव और माता मंदिरों की श्रृंखला भी मौजूद है, जहाँ देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।पर्यटन विकास से न केवल स्थानीय लोगों की धार्मिक आस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। पर्यटन विभाग के प्रयासों से रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर, रामगढ़ ताल, गीता वटिका और गीता प्रेस जैसे स्थान भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा जिले में कई पार्क और संग्रहालय भी हैं।पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 36,52,451 पर्यटक गोरखपुर घूमने आए थे। वर्ष 2025 के पहले तीन महीनों में जनवरी से मार्च तक 15,46,765 पर्यटक आए। विभाग को उम्मीद है कि वर्षांत तक गोरखपुर में पर्यटकों की संख्या 50 से 55 लाख के बीच रह सकती है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभाग होमस्टे सुविधाओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है।

# विवादों के बीच कार्यकारिणी पूरी, छह सदस्य निर्विरोध चुने

लखनऊ, (संवाददाता)। विवादों के बीच नगर निगम कार्यकारिणी के छह पदों के लिए रविवार को चुनाव निर्विरोध हो गया। जो छह सदस्य चुने गए, उनमें भाजपा के पांच और सपा का एक सदस्य है। नए सदस्यों का चुनाव होने के बाद अब 12 सदस्यीय कार्यकारिणी पूरी हो गई है। इससे अब यह शहर के विकास से जुड़े नगर निगम के नीतिगत और वित्तीय मामलों पर निर्णय ले सकेगी। नगर निगम की 12 सदस्यीय कार्यकारिणी के छह सदस्य एक जून को दो साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद सेवानिवृत्त हो गए थे। उनकी जगह चुनाव के लिए रविवार को 11 बजे नगर निगम सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इसके बाद नामांकन हुआ तो छह पदों के लिए छह पार्षदों ने ही नामांकन किया। इनमें भाजपा से पांच और सपा से एक पार्षद थे।आपसी खींचतान के चलते भाजपा की ओर से मौलवीगंज वार्ड के पार्षद मुकेश सिंह मोंटी और राजेंद्रनगर के पार्षद राजीव दीक्षित के भी बगावत कर नामांकन करने की अफवाह उड़ती रही। जो सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए, उनमें भाजपा के पेपर मिल कॉलोनी वार्ड के पार्षद राजेश सिंह गब्बर, अलीगंज के पृथ्वी गुप्ता, राजा बिजली पासी द्वितीय की पिंकी रावत, चिनहट प्रथम के अरुण राय व ऐशबाग के संदीप शर्मा और कन्हैया माधवपुर वार्ड के सपा पार्षद रामनरेश चौरसिया शामिल हैं। विजयी सदस्यों के नामों की घोषणा महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। वहीं, एक जून को छह सदस्यों के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यकारिणी में जो छह सदस्य बचे थे, उनमें भाजपा के अनुराग मिश्रा अन्नू, भृगुनाथ शुक्ला, चरनजीत गांधी, गौरी सांवरिया, कृष्ण नारायण सिंह और सपा की सबा अहसन मंसूरी शामिल हैं। भाजपा पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने तो चुनाव न लड़ने पर कुछ नहीं कहा, लेकिन पार्षद राजीव दीक्षित ने कहा कि उन्होंने नामांकन फॉर्म भरा था, मगर नगर अध्यक्ष के कहने पर जमा नहीं किया। जानकारों का कहना है कि यदि सात नामांकन हो जाते तो भाजपा में क्रॉस वोटिंग हो जाती।

विरोध के कारण निवर्तमान उपाध्यक्ष आसन से उतरे

सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने पार्षदों के साथ बैठे निवर्तमान कार्यकारिणी उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता से कहा कि अभी चुनाव नहीं हुआ है, आप अभी उपाध्यक्ष हैं और ऊपर आकर आसन पर बैठें। इसके बाद गिरीश जाकर बैठ गए। यह देख कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने आपत्ति की। कहा कि उपाध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो गया है, ऐसे में वह अब आसन पर उपाध्यक्ष की हैसियत से नहीं बैठ सकते। भाजपा पार्षद मुन्ना मिश्रा ने भी इसका समर्थन किया, जिसके बाद गिरीश नीचे उतर आए।

अब होगा उपाध्यक्ष का चुनाव

एक जून को जो छह सदस्य सेवानिवृत्त हुए थे, उनमें कार्यकारिणी उपाध्यक्ष भी थे। ऐसे में अब कार्यकारिणी सदस्य उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे। कार्यकारिणी के कुल 12 सदस्यों में भाजपा के 10 और सपा के दो सदस्य हैं। ऐसे में भाजपा पार्षद का उपाध्यक्ष बनना तय है। बैठक एक सप्ताह में बुलाई जाएगी।

# असीम अरुण ने सर्वोदय विद्यालय भोजीपुरा का निरीक्षण किया

लखनऊ, (संवाददाता)। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय (बालक), गोपालपुर, भोजीपुरा का समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने रविवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने विद्यालय में चल रहे भवन मरम्मत कार्य का जायजा लिया और पाया कि कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है।इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए असीम अरुण ने आउटसोर्सिंग पर कार्यरत जूनियर इंजीनियर (जेई) माज खान को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मरम्मत कार्य को तय मानकों के अनुसार समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वोदय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से विद्यालय भवन को नया स्वरूप देने का कार्य किया जा रहा है। उनका उद्देश्य है कि यहां पढ़ने वाले बच्चों को फर्नीचर से लेकर भोजन तक सभी व्यवस्थाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से मिलें।उन्होंने स्पष्ट किया कि भोजीपुरा सर्वोदय विद्यालय में टाइल्स लगाने के कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित जेई को हटा दिया गया है। असीम अरुण ने कहा कि इन संस्थानों से जुड़ा प्रत्येक कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध होना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।गौरतलब है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश भर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र–छात्राओं के लिए कक्षा 6 से 12 तक आवासीय सुविधा से युक्त 101 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में समय–समय पर मरम्मत कार्य करवाए जाते हैं, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं मिल सकें।

# बच्चों में पठन आदत विकसित करने पर विशेष कार्यशाला का आयोजन टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा एस.के.डी. एकेडमी, वृंदावन योजना में किया गया

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय ।एस.के.डी. एकेडमी, वृंदावन योजना ने गर्व के साथ टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यशाला की मेजबानी की। इस कार्यशाला का विषय था "बच्चों में पठन आदत कैसे विकसित करें"। इस ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. बिद्युत साहा ने किया, जिनके बहुमूल्य विचारों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के प्रभावी तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर की शोभा बढ़ाने हेतु एस.के.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह, उपनिदेशिका श्रीमती निशा सिंह तथा सहायक निदेशिका श्रीमती कुसुम बत्रा उपस्थित रहे। उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने यह संदेश दिया कि पढ़ने की आदत शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास की आधारशिला है।

कृतज्ञता और सम्मान स्वरूप, श्रीमती अशमीत कौर तुलसी ने डॉ. साहा को एक पौधा भेंट किया, जो ज्ञान, विकास और हरित भविष्य का प्रतीक है।

इस कार्यशाला में उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली और सभी प्रतिभागियों ने बच्चों में पठन आदत को बढ़ावा देने का संकल्प लिया, जो एस.के.डी. एकेडमी के समग्र शिक्षा के उद्देश्य के अनुरूप है।

# गोयल कैम्पस में मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ ।आजादी के ७८ वर्ष पूरे करने के बाद ७६ वर्ष में प्रवेश करने वाले नए भारत के स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन सेठ एम.आर.जयपुरिया, गोयल कैम्पस में शासन के आदेशानुसार प्रातरू ८ बजे प्रधानाचार्या डॉ.श्रीमती रीना पाठक , मुख्य अतिथि प्रो.डॉ. विनोद सोलंकी ( पूर्व विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, पूर्व निदेशक एचआरडीसी, यूजीसी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, प्रांत प्रतिष्ठान प्रमुख, विवेकानंद प्रमुख कन्याकुमारी) के करकमलों द्वारा संपूर्ण विद्यालय परिवार की उपस्थिति में किया गया। पूरा वातावरण जन मन गण की ध्वनि से गुंजित हो उठा । समारोह का आरंभ हेड बॉय अभिराज मिश्रा के स्वागत भाषण से हुआ।

स्कूल बैंड ने हेड बॉय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन और परिषद के अन्य सदस्यों के नेतृत्व में गरिमापूर्ण मार्च पास्ट किया जिसने सभी के भीतर जोश भर दिया । प्री–प्राइमरी के विद्यार्थियों द्वारा राधा–कृष्ण की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई ।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, देशभक्ति गीतों और ष्सेलिब्रेटिंग भारतष शीर्षक से आयोजित रचनात्मक कार्यक्रम ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और राष्ट्रप्रेम को प्रकट किया।

अपने प्रेरक संबोधन में प्रो. सोलंकी ने विद्यार्थियों से "मजबूत कल के निर्माण का आह्वान करते हुए बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं बल्कि चरित्र निर्माण करना भी है जो आत्म–अनुशासन और विवेक से प्रारंभ होता है।"

गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन श्री महेश अग्रवाल ने छात्रों को देश के प्रति उनकी भूमिका को अहम बताते हुए ७६ वें स्वतन्त्रता दिवस की बधाई दी । प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती रीना पाठक ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन मिष्ठान्न वितरण की घोषणा के साथ किया।

# महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान केतहत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित षमिशन शक्ति फेज–5.0ष के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने–अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़–भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया ।इस दौरान

महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना
निराश्रित महिला पेंशन योजना
राष्ट्रीय पोषण मिशन
मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना
बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
आयुष्मान भारत योजना,महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए।

वीमेन पावर लाइन – 1090
महिला हेल्पलाइन – 181
पुलिस आपात सेवा– 112
सीएम हेल्पलाइन – 1076
स्वास्थ्य सेवा – 102
एम्बुलेंस – 108
साइबर हेल्पलाइन – 1930

इसी क्रम में सहभागिता एवं संवाद

अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की।

# कोतवाली नगर सुल्तानपुर मे चौकी प्रभारी पयागीपुर यशवंत द्विवेदी गृह मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट सेवा सराहनीय सम्मान से सम्मानित

अयोध्या। रेंज के सुल्तानपुर जिले मे कोतवाली नगर क्षेत्र मे चौकी प्रभारी पयागीपुर पद पर तैनात यशवंत द्विवेदी किसी पहचान के मोहताज नहीं है ।उनके द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्यो को देखते हुए 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गृह मंत्रालय द्वारा उन्हें अति उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया है ।बताते चले कि चौकी प्रभारी पयागीपुर यशवंत द्विवेदी इससे पहले अयोध्या जनपद के कई महत्वपूर्ण पुलिस चौकियो पर भी तैनात रहे ।उनका सबसे अधिक सराहनीय योगदान कोरोना काल मे रहा।वे उस समय कोतवाली नगर क्षेत्र मे चौकी प्रभारी चौक के रुप मे तैनात रहे ।कोरोना काल मे वे सभी जरुरत मंद लोगो, ठेलो, दूर दराज सें आने वाले लोगों की निःश्वार्थ भावना से सेवा करते हुए दिखाई दिये ।जिसके चलते खास कर अयोध्या क्षेत्र के लोग आज भी उन्हें कोरोना काल में किए गए सराहनीय कार्यों के चलते याद करते हैं ।कोरोना काल मे उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद कर आज भी यहां के लोग बताते हैं महामारी के दौरान वे खुद अपने पैसों से लोगों की मदद करते ही थे ।वही उस दौरान कोई भी व्यक्ति उसे दौरान उनके मोबाइल पर किसी भी तरह की सहायता लेने के लिए मैसेज करते थे, तो वे इस मैसेज को गंभीरता से लेते हुए कुछ ही देर में अपने सिपाहियों को भेजते थे। जिसके चलते आज भी लोग इनको याद करते हैं।

# पीयू में स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि बढ़ी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी है। अब छात्र 22 अगस्त तक समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले पंजीकरण की अंतिम तिथि 14 अगस्त थी। छात्रहित में यह तिथि बढ़ाई गई है ।जौनपुर और गाजीपुर जनपद के सभी 586 संबद्ध महाविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें विभिन्न कक्षाओं में दाखिले के लिए आने वाले छात्रों का पंजीकरण 22 अगस्त तक पूरा करना होगा। इस तिथि के बाद पंजीकरण का कोई मौका नहीं दिया जाएगा ।नए सत्र में दाखिला लेने वाले सभी छात्रों को समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण की तिथि बढ़ने से महाविद्यालयों को राहत मिली है।

# मेदांता अस्पताल ने पूरे किए 1,000 रेडियोथेरेपी ट्रीटमेंट, कैंसर मरीजों के लिए बढ़ी जीत की संभावना

लखनऊ। मेदांता अस्पताल, लखनऊ के कैंसर केयर विभाग ने रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। 28 जून 2023 को पहले मरीज के साथ शुरू हुई रेडियोथेरेपी सेवाओं में अब 1000 मरीजों का सफल उपचार पूरा कर लिया गया है। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख, डॉ. नीरज रस्तोगी ने बताया, ष्हमारे यहाँ जो मरीज आते हैं वे ज्यादातर किसी न किसी प्रकार के कैंसर से ग्रस्त होते हैं, जैसे प्रोस्टेट कैंसर या महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, लैरिंक्स और खाने की नली (एसोफैगस) का कैंसर, महिलाओं में बच्चेदानी के मुँह का कैंसर (सर्विक्स कैंसर) और पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर ऐसे हैं जिनमें सर्जरी, कीमोथेरेपी, और रेडिएशन, द्वारा ही कैंसर का समुचित इलाज हो पाता है। न्होंने आगे कहा कि मेदांता में अत्याधुनिक मशीनों और तकनीक की मदद से इन बीमारियों का प्रभावी इलाज संभव है, जिसमें न केवल कैंसर को टारगेट किया जाता है बल्कि आसपास के स्वस्थ अंगों को भी सुरक्षित रखा जाता है। उदाहरण के तौर पर, गले के कैंसर में लार ग्रंथियों को बचाया जाता है और ब्रेस्ट कैंसर में दिल व फेफड़ों को रेडिएशन से सुरक्षित रखा जाता है। डॉ. रस्तोगी ने बताया कि मशीन की बेहतरीन सटीकता के कारण 5 मिमी तक के छोटे ट्यूमर को भी आसपास के अंगों को बचाते हुए ट्रीट किया जाता है। मेदांता लखनऊ में ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के दौरान डीप इंस्पिरेशन ब्रेद होल्ड तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे दिल रेडिएशन से सुरक्षित रहता है। यहां की ब्रेकीथेरेपी मशीन से सर्विक्स कैंसर का इलाज केवल ट्यूमर वाले हिस्से पर किया जाता है, जिससे आसपास कोई नुकसान नहीं होता। डॉ. रस्तोगी के अनुसार, शुरुआती स्टेज में आने वाले मरीजों में कैंसर पूरी तरह ठीक होने की संभावना 90 प्रतिशत तक होती है, जबकि तीसरे चरण में 50–60 प्रतिशत और चौथे चरण में 10–15 प्रतिशत होती है। उन्होंने बताया कि 1000 मरीजों में से लगभग 50 प्रतिशत हेड और नेक के कैंसर जिनमें ज्यादातर तंबाकू, सिगरेट, पान मसाला आदि के इस्तेमाल से होने वाले कैंसर के मरीज होते हैं, 30 प्रतिशत ब्रेस्ट कैंसर और शेष 20 प्रतिशत सर्विक्स, एसोफैगस, प्रोस्टेट, यूरिनरी ब्लैडर, लैरिंक्स और ब्रेन ट्यूमर के मामले थे। इलाज शुरू करने से पहले हर मरीज का सीटी स्कैन किया जाता है। इसमें डॉक्टर यह देखते हैं कि ट्यूमर और प्रभावित हिस्से कहाँ हैं। इसके बाद रेडिएशन की सही योजना बनाई जाती है और जगह तय होने पर इलाज शुरू होता है। इलाज के दौरान डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी करती है और बीच–बीच में दोबारा सीटी स्कैन (वेरिफिकेशन सीटी) भी किया जाता है। इससे मरीजों को बेहतर और सुरक्षित नतीजे मिलते हैं।

# हाइटेंशन तार की चपेट मे आकर धू धू करके जलने लगी कटेनर

अयोध्या। सोमवार को अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर थाना पूराकलंदर के समीप प्रयागराज से अयोध्या की ओर बाइक लदा कंटेनर हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आ गया ।देखते ही देखते हाई टेंशन की तार स्पर्श होते ही प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक जोरदार जोर से धमाका हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि कुछ देर के लिए वहां के स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया ।देखते ही देखते कंटेनर मे आग लग गई ।घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष पूरा कलंदर देवेंद्र सिंह पुलिस कर्मियों तथा अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे फायर कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर उक्त कंटेनर में लगी आग को बुझाने में जुट गए ।पुलिस कर्मियों व फायर कर्मियों के भरसक प्रयास के बावजूद कैंटर पूरी तरह जल चुका था। हालांकि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और जाम काफी तक लग गया ।जिससे यात्रियों और राहगीरों को घंटों फंसा रहना पड़ा ।इस हादसे के चलते हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और इधर से गुजरने वाले यात्री यहां तक कि पैदल चलने वाले लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था ।जिसको देखते हुए पुलिस ने तुरंत हाईवे पर रूट डायवर्जन कराया ।पुलिस के मुताबिक मैसूर कर्नाटक से सरदार मोटर्स सिविल लाइन शो रुम मे बाइक आ रही थी ।इस मौके पर फायर कर्मियों में मनोज कुमार सिंह, राम विलास,अवधेश पांडे,दीपक सचान,सिकंदर,आलोक मिश्रा,शैलेंद्र वर्मा,शिवानंद,मनोज तिवारी के अलावा अन्य फायर कर्मी व पुलिसकर्मी आग बुझाने में काफी देर तक जुटे रहे।

# फरीदाबाद में ट्रक चालक ने बाइक सवार को टक्कर मारकर 50 मीटर तक घसीटा, मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। डबुआ थाना इलाके में पाली डबुआ रोड पर ट्रक चालक ने देवरिया निवासी बाइक सवार को टक्कर मार दी। आरोपी चालक ब्रेक लगाने की बजाय नीचे फंसे बाइक सवार युवक को 50 मीटर तक घसीटा हुआ ले गया। गंभीर रूप से घायल युवक की बीके अस्पताल से रेफर करने पर दिल्ली ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि डबुआ थाने में ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे में मृतक बाइक सवार की पहचान यूपी देवरिया के मूल निवासी सतीश कुशवाहा के तौर पर हुई। वह ओल्ड फरीदाबाद की भूड़ कॉलोनी में भाई राकेश के साथ रहता था। सतीश वेल्डिंग का काम करता था। मृतक के भाई राकेश ने बताया कि शनिवार को सतीश डबुआ पाली रोड पर रहने वाले अपने दोस्त पवन से मिलने गया था। वहां से शाम को लौटते समय पाली मोड़ के पास उसकी बाइक में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक बाइक व नीचे फंसे सतीश को घसीटते हुए 50 मीटर तक ले गया। इसके बाद ट्रक को घुमाकर चालक भगा ले गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

# शव मिलने के एक दिन बाद पिटाई का वीडियो वायरल

गोरखपुर, (संवाददाता)। गगहा थाना क्षेत्र के ठठौली गांव के पास शनिवार सुबह सड़क किनारे मिले शव के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की पहचान बड़गो वरईपार निवासी मुश्ताक अहमद (48) के रूप में हुई थी। घटना के बाद से ही परिजन हत्या की आशंका जता रहे थे। इधर, रविवार को सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए, जिसमें मुस्ताक को ग्रामीण पीटते हुए दिख रहे हैं। हालांकि वीडियो की सत्यता की पुष्टि संवाद न्यूज एजेंसी नहीं करती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार शाम मुश्ताक की बाइक लावारिस हालत में देवकली गांव के पास मिली थी, जिसे संदिग्ध मानते हुए पुलिस थाने उठा लाई गई थी। शनिवार सुबह ठठौली गांव के पास सड़क किनारे उसका शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की थी।

# आदिल ने अंश और प्रियांशु ने सन्नी को दी पटकनी

गोरखपुर, (संवाददाता)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर क्षेत्र के ग्राम पथरहट में रविवार को दंगल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें आसपास के जनपदों से आए नामचीन पहलवानों ने अपने दमखम का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दंगल में कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। आदिल यादव को अंश पहलवान ने पटखनी दी। सिंहोरवा के विकास पहलवान और गोरखपुर के अनुज के बीच हुआ मुकाबला कड़े संघर्ष के बाद बराबरी पर छूटा। सन्नी राजभर को राजधानी के प्रियांशु पहलवान ने चित्त कर तालियां बटोरीं। आलोक यादव वीरवां और अनूप कालाबन की भिड़ंत भी दर्शकों को रोमांचित कर गई। देवरिया सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान दीपक सिंह ने संभाली और विजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। संचालन मुकुल सिंह ने किया। दंगल देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी जुटे। इस मौके पर शंभू सिंह, विनायक सिंह, बबलू सिंह, ठेकेदार संघ के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष आदित्य सिंह, चेयरमैन प्रदीप मद्धेशिया, विनय जायसवाल आदि मौजूद रहे।

# छेड़खानी की शिकायत करने गए भाइयों पर धारदार हथियार से हमला

बस्ती, (संवाददाता)। बहन के साथ छेड़खानी का उलाहना देने गए भाई पर दो युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर जब उसका छोटा भाई बीच बचाव करने पहुंचा तो दरिंदों ने उस पर भी हमला कर लहूलुहान कर दिया। घटना शनिवार देर शाम की है। सोनहा थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी शनिवार को किसी काम से असनहरा पड़ाव पर जा रही थी। इसी बीच रास्ते में दो युवक उससे छेड़खानी करने लगे। किशोरी किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर घर पहुंची ।

# मंडलीय विद्यालयीय बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज स्पोर्ट्स स्टेडियम हरदोई में मंडलीय विद्यालयीय बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रतियोगिता संयोजक जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद ने फीता काट कर तथा सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि,दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजू शर्मा, सहसंयोजक प्रभारी प्रधानाचार्य राजबीर सिंह एस डी कालेज , ओमप्रकाश प्रभारी प्रधानाचार्य गंगा देवी इ कालेज, क्रीड़ा सचिव रामदयाल, निवर्तमान क्रीड़ा सचिव हंसराज कुशवाहा, सर्वेश शुक्ल, आलोक कुमार सिंह, प्रियंका

आदि मौजूद रहे। टेबल टेनिस प्रतियोगिता बालक वर्ग –सब जूनियर तथा जूनियर वर्ग में लखनऊ विजेता रहा तथा उपविजेता हरदोई रहा। सीनियर वर्ग हरदोई विजेता और लखनऊ उपविजेता रहा। महेंद्र आयुश,शुभ,प्राचीर, दिव्यांश ने अच्छा प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग –सब जूनियर तथा सीनियर वर्ग में लखनऊ विजेता रहा हरदोई उपविजेता रहा। जूनियर वर्ग में हरदोई विजेता तथा उपविजेता लखनऊ रहा अदिति, वैष्णवी, सुब्रा राधा सुधा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया ।इस प्रतियोगिता के निर्णायक दीपक, अनुराग मिश्र, दिव्यांश श्रीवास्तव रहे। पुरस्कार वितरण राजकीय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य एस एन यादव ने किया। प्रतियोगिता में सीतापुर, उन्नाव, लखीमपुर की टीमों ने भी प्रतिभाग किया।

# पार्षद अनूप कमल सक्सेना ने ध्वजारोहण किया

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर संस्था जी एस सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी, लखनऊ के सहयोग से योगा पार्क निकट टिकैत राय तालाब, राजाजीपुरम,लखनऊ पर झंडा रोहण और प्रसाद वितरण के साथ साथ बच्चों को बिस्कुट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें पार्षद अनूप कमल सक्सेना के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ झंडारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ,जिसमें पार्क में उपस्थिति संस्था की ओर से सर्वश्री संतोष श्रीवास्तव भैया, विनय तिवारी भैया, केपी सिंह जी, सैयद

मोहम्मद हैदर जी, आशीष सिंह,आलम भाई अली भाई,अमर पांडे जी अमित जायसवाल जी, अवधेश भैया, हरि श्याम श्रीवास्तव जी, कमल कुमार , मुक्तिनाथ पांडे जी,आशीष तिवारी, अमित दीक्षित जी,रमाशंकर सोनकर जी, सफीक भाई सैयद डॉक्टर हैदर जी, सर्वश्रीमती मधु पराशर, निधि जी, इशिता, परी,आदि लोगों ने स्वतंत्रता दिवस की मंगल बेला को बड़े हर्षोल्लास एवं भरपूर जोश के साथ मनाया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया और पार्क में उपस्थित सभी बच्चों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया और माननीय पार्षद श्री अनूप कमल भैया ने बच्चों के साथ जन जागरूकता रैली निकाली। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में आलम भैया का विशेष धन्यवाद जिनके माध्यम से संगीतमय देशभक्ति के गानों से सभी के मन में उत्साह और उमंग का संचार किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मैं (अरुण कुमार शुक्ला ) सभी उपस्थित भाइयों, बहनों और बच्चों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं।

# महिला थाना परिसर में भी मना हर्षोल्लास पूर्वक श्री कृष्ण जन्माष्टमी

अयोध्या। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महिला थाना परिसर में भी हर्षोल्लास मनाया गया। इस मौके पर महिला थाना परिसर मे महिला पुलिस कर्मियों द्वारा एक से एक बढ़कर भजन प्रस्तुत किए गए ।वहीं स्थानीय महिलाओं व बच्चियों ने इस अवसर पर एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्ति में बना दिया ।छोटे–छोटे बच्चे भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप में यहां पर हो रहे कार्यक्रम की भव्यता मे चार चांद लगा रहे थे ।बताते चले कि महिला थाना परिसर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी कोरोना काल के बाद पहली बार मनाई गई है ।इस मौके पर सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला,उप निरीक्षक संदीप मिश्रा,महिला उप निरीक्षक सोनी, चेतना, प्रिया के अलावा महिला थाना में तैनात सभी पुलिसकर्मी व आसपास के स्थानीय महिलाएं व बच्चे शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।